Launch of Vedic Heritage Portal

Press clips:

हिन्दुस्तान टाइम्स

पोर्टल से वेदों की परंपरा आगे बढ़ेगी : शाह

शुभारंभ

नई दिल्ली, प्रमुख संवाददाता। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र परिसर में वैदिक हेरिटेज पोर्टल और 64 कलाओं पर आधारित आभासी संग्रहालय का लोकार्पण गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने किया। उन्होंने कहा कि पोर्टल से युवा पीढ़ी वेदों का ज्ञान और परंपरा को आगे बढ़ा सकेगी। पोर्टल में चार वेदों की प्रचलित शाखाओं के 18 हजार से अधिक मन्त्रों की ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग संग्रहित है।

इससे पहले उन्होंने शहीद दिवस पर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम से जल्द निकल जाने के बाद केंद्रीय गृहमंत्री ने लिखित संदेश भेजा। उन्होंने कहा कि सरकार तकनीक के माध्यम से भारत के प्राचीन ग्रन्थों और पांडुलिपियों के ज्ञान को भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही है। हेरिटेज पोर्टल को हिंदी और अंग्रेजी भाषा में तैयार किया गया है। इसमें भारतीय ज्ञान और संस्कृति के मूल वेद एवं सम्पूर्ण वैदिक परंपरा, उसके मौलिक अर्थात् श्रुति रूप में ही संग्रह किया गया है। पोर्टल में भारत के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से वेदपाठी आचार्यों के चार वेदों की प्रचलित शाखाओं के कुल 18 हजार से अधिक मन्त्रों के अब तक 550 घंटों की ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग संग्रहित है।

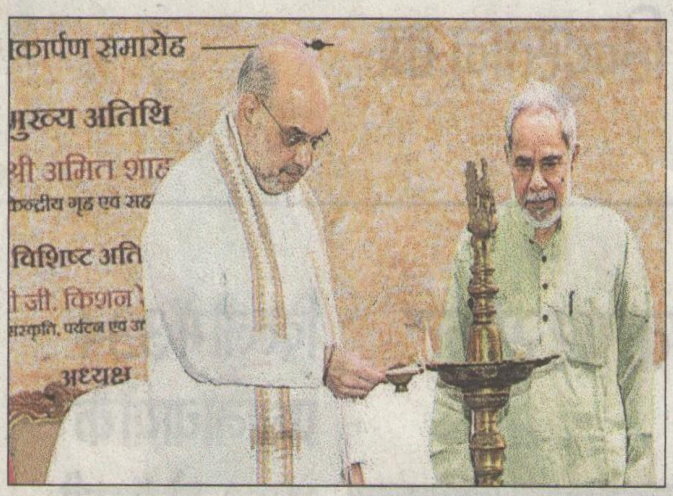

दिल्ली के इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र में गुरुवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने दीप प्रज्वलित कर वैदिक हेरिटेज पोर्टल का शुभारंभ किया। • हिन्दुस्तान

और भी योजना बन रहीं

यज्ञ में प्रयुक्त होने वाले वैदिक यज्ञ पात्रों की एक आभासी वैदिक गैलरी के समायोजन की भी योजना है। इसमें कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु एवं आंध्रप्रदेश से 250 यज्ञ-पात्र संकलित हैं। मानवता के अमूर्त धरोहर वेद के संरक्षण एवं संवर्धन में केंद्र का यह विनम्र प्रयास वेद के जिज्ञासुओं का पथ प्रशस्त करेगा। पोर्टल को तैयार करने में वेदों को जानने वाले लोग, वेद शोध संस्थानों, वेदपाठी परिवारों सहित दुनियाभर के वेद के जानकारों ने सहयोग किया है।

पंजाब केसरी

अमित शाह ने किया वैदिक हेरिटेज पोर्टल का शुभारंभ

वैदिक हेरिटेज पोर्टल से वेदों व उपनिषदों की ज्ञान परम्परा आगे बढ़ेगी: केन्द्रीय गृहमंत्री

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी) : केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र परिसर में केन्द्र द्वारा निर्मित 'वैदिक हेरिटेज पोर्टल" और 64 कलाओं पर आधारित आभासी संग्रहालय (वर्चुअल म्यूजियम) 'कला वैभव" का लोकार्पण किया। इससे पहले उन्होंने शहीद दिवस पर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की। इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री जी. किशन रेड्डी, आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय, सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, प्रसिद्ध नृत्यांगना व राज्यसभा सदस्य डॉ. सोनल मानसिंह, संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव उमा नंदुरी और अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित थे।

लोकार्पण कार्यक्रम की शुरुआत देश के विभिन्न गुरुकुलों से आए बटुकों (वेदपाठियों) और रोहतक के गुरुकुल से आईं विदुषियों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार से हुई। इसके बाद अमित शाह ने रिमोट का बटन दबाकर 'वैदिक हेरिटेज

पोर्टल" और वर्चुअल म्यूजियम 'कला वैभव" लोकार्पण किया। इस मौके पर अपने संदेश में उन्होंने कहा कि मोदी सरकार टेक्नोलॉजी के माध्यम से भारत के प्राचीन ग्रन्थों व पांडुलिपियों के ज्ञान को भविष्य के लिए सुरक्षित कर रही है। उन्होंने इस कार्यक्रम के बारे में ट्वीट किया, 'आज आईजीएनसीए द्वारा निर्मित वैदिक हेरिटेज पोर्टल का लोकार्पण किया। इससे युवा पीढ़ी वेदों व उपनिषदों के ज्ञान व परंपरा को आगे बढ़ा सकेगी। साथ ही, 64 कलाओं पर आधारित वर्चुअल म्यूजियम 'कला वैभव" का भी लोकार्पण किया। इस म्यूजियम के माध्यम से दुनिया भारत की वास्तुकला, चित्र, नाट्य, संगीत आदि समस्त कलाओं से और अधिक परिचित होगी और विश्व को भारत की वैभवशाली संस्कृति का समृद्ध इतिहास जानने में सुविधा होगी।"इस पोर्टल में ऑडियो-विजुअल के साथ-साथ लिपिबद्ध मन्त्रों का अनुवाद के साथ समायोजन किया गया है। यज्ञ में प्रयुक्त होने वाले वैदिक यज्ञ पात्रों की एक आभासी वैदिक गैलरी के समायोजन की भी योजना है, जिसमें कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु एवं आंध्रप्रदेश से 250 यज्ञ-पात्र संकलित हैं।

नवोदय टाइम्स

वैदिक हेरिटेज पोर्टल से वेदों-उपनिषदों की ज्ञान परंपरा बढ़ेगी आगे : अमित शाह

नई दिल्ली, 23 मार्च (नवोदय टाइम्स) : केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र परिसर (आईजीएनसीए) में केन्द्र द्वारा निर्मित वैदिक हेरिटेज पोर्टल और 64 कलाओं पर आधारित वर्चुअल म्यूजियम कला वैभव का लोकार्पण किया। उन्होंने कहा कि इससे युवा पीढ़ी वेदों व उपनिषदों के ज्ञान व परंपरा को आगे बढ़ा सकेगी। पहले उन्होंने शहीदी दिवस पर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर पुष्प अर्पित किया।

इस अवसर पर केंद्रीय संस्कृति मंत्री जी. किशन रेड्डी, आईजीएनसीए के अध्यक्ष रामबहादुर राय, सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी, नृत्यांगना व राज्यसभा सदस्य डॉ. सोनल मानसिंह, संस्कृति मंत्रालय में संयुक्त सचिव उमा नंदुरी मौजूद रहे।

पायनियर समाचार सेवा

पांडुलिपियों को किया जा रहा संरक्षित : शाह

लोकार्पण के मौके पर गृहमंत्री अमित शाह व अन्य।

गृहमंत्री ने वैदिक हेरिटेज पोर्टल और वर्चुअल संग्रहालय का किया लोकार्पण

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के प्राचीन ग्रंथों और पांडुलिपियों के ज्ञान को भविष्य के लिए संरक्षित कर रही है।

शाह ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र द्वारा निर्मित एक वैदिक हेरिटेज पोर्टल और एक वर्चुअल संग्रहालय कला वैभव का लोकार्पण करने के बाद यह बात कही। उन्होंने हिंदी में ट्वीट किया, मोदी सरकार प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के प्राचीन ग्रंथों व पांडुलिपियों के ज्ञान को भविष्य के लिए संरक्षित कर रही है। इसी दिशा में वैदिक हेरिटेज पोर्टल का लोकार्पण किया। इससे युवा पीढ़ी वेदों व उपनिषदों के ज्ञान व परंपरा को आगे बढ़ा सकेगी।

गृह मंत्री ने कहा कि 64 कलाओं पर आधारित इस वर्चुअल संग्रहालय के माध्यम से दुनिया भारत की वास्तुकला, चित्रकला, नाट्य, संगीत आदि समस्त कलाओं से और अधिक परिचित होगी और विश्व गौरवशाली संस्कृति का समृद्ध इतिहास जान पाएगा। इस पोर्टल में सम्पूर्ण भारत के भिन्न-भिन्न क्षेत्रों से वेदपाठी आचार्यों के चार वेदों की प्रचलित शाखाओं के कुल 18 हजार से अधिक मन्त्रों के अब तक 550 घण्टों की ऑडियो-विजुअल रिकॉर्डिंग संगृहीत है।

जनसत्ता संवादाता

आभासी संग्रहालय 'कला वैभव' का लोकार्पण

जनसत्ता संवाददाता
नई दिल्ली, 23 मार्च।

केंद्रीय मंत्री अमित शाह ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र परिसर में केंद्र द्वारा निर्मित वैदिक हेरिटेज पोर्टल और 64 कलाओं पर आधारित आभासी संग्रहालय (वर्चुअल म्यूजियम) कला वैभव का लोकार्पण किया। इससे पहले उन्होंने शहीद दिवस पर शहीद भगत सिंह, सुखदेव, राजगुरु के चित्र पर पुष्प चढ़ा कर श्रद्धांजलि अर्पित की।

राष्ट्रीय सहारा

भारत के प्राचीन ग्रंथों, पांडुलिपियों का ज्ञान संरक्षित किया जा रहा

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने बृहस्पतिवार को कहा कि नरेन्द्र मोदी सरकार प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के प्राचीन ग्रंथों और पांडुलिपियों के ज्ञान को भविष्य के लिए संरक्षित कर रही है। शाह ने इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र (आईजीएनसीए) द्वारा निर्मित एक वैदिक हेरिटेज पोर्टल और एक वर्चुअल संग्रहालय 'कला वैभव' का लोकार्पण करने के बाद यह बात कही। उन्होंने हिंदी में ट्वीट किया, 'मोदी सरकार प्रौद्योगिकी के माध्यम से भारत के प्राचीन ग्रंथों व पांडुलिपियों के ज्ञान को भविष्य के लिए संरक्षित कर रही है। इसी दिशा में आज आईजीएनसीए-दिल्ली द्वारा निर्मित वैदिक हेरिटेज पोर्टल का लोकार्पण किया। इससे युवा पीढ़ी वेदों व उपनिषदों के ज्ञान व परंपरा को आगे बढ़ा सकेगी।'

Millenium Post

Modi govt securing knowledge of India's ancient books via tech: Shah

OUR CORRESPONDENT

The home minister said through the virtual museum, based on 64 arts, the world will be more familiar with India's architecture, painting, drama and music and the world will know the history of India's culture

NEW DELHI: Union Home Minister Amit Shah Thursday said the Narendra Modi government is securing the knowledge in India's ancient books and manuscripts for the future through technology.

Shah said this after launching a Veidic heritage portal and a virtual museum — 'Kala Vaibhav' — built by the Indira Gandhi National Centre for the Arts (IGNCA).

"The Modi government is securing the knowledge of India's ancient books and manuscripts for the future through technology. In this direction, the Vedic Heritage Portal built by @ignca_delhi was inaugurated today.

"With this, the younger generation will be able to carry forward the knowledge and tradition of Vedas and Upanishads," he tweeted in Hindi. The home minister said through the virtual museum, based on 64 arts, the world will be more familiar with India's architecture, painting, drama and music and the world will know the rich history of India's glorious culture.